# रानी चींटी

(एकांकी)

10

एक था जंगल। उसमें एक घमंडी शेर रहता था। शेर को अपने बल पर बहुत घमंड था। वह सभी को अपने से छोटा समझता था।

अगले दिन उसने घोषणा करवाई कि सभी लोग उसे आकर प्रणाम करें।

अगले दिन एक-एक करके सभी जानवर शेर महाराज को प्रणाम करने आए। शेर ने इधर-उधर देखा और बोला– "अरे! चींटियाँ नहीं आईं अभी तक?"

खरगोश अपनी आदत के अनुसार बोला– "महाराज, वे तो हमेशा देर से ही आती. हैं।"

लोमड़ी बोली– "ज्ल्दी पहुँचना उनके बस की बात नहीं है।" यह सुनकर सभी जानवर हँस पड़े।

शेर लाल-पीला हो गया। तब तक रानी चींटी अपनी सेना के साथ वहाँ आ गई।

शेर बोला– "कभी तो समय से आया करो। हमेशा देर से ही आती हो।"

रानी चींटी बोली– "महाराज, रास्ते में बारिश का पानी भरा हुआ था, इसलिए हमें आने में थोड़ी -सी देर हो गई।"

अब शेर का गुस्सा बढ़ गया। उसने आव देखा न ताव, बोला– "एक तो देर से आती हो, ऊपर से मेरे सामने जवाब देती हो! चुप हो जाओ, वरना अभी जाान से मार डालूँगा।"

रानी चींटी यह सब देखकर परेशान हो गई। वह सोचने लगी कि क्या करे। तभी उसे एक उपाय सूझा। वह तुरंत अपने मित्र कनखजूरे के पास गई और धीरे-से उसके कान में जाकर कुछ कहा। दोनों ने एक योजना बनाई और मंद-मंद मुसकुराने लगे।

उधर शेर भोजन करके विश्राम करने लगा। कुछ ही देर में उसे नींद आ गई। कनखजूरा चुपके-से शेर के कान में घुस गया। उसने शेर के कान में जोर से काटा। अब तो शेर परेशान हो गया और दर्द से तड़प उठा। वह इधर-उधर उछलने लगा पर किसी भी तरह दर्द कम नहीं हुआ। इतने में जंगल के सभी जानवर भी वहाँ आ गए। शेर के कान का दर्द बढ़ता ही जा रहा था। सभी जानवर चुपचाप खड़े थे, पर वे शेर की कोई मदद नहीं कर पा रहे थे।

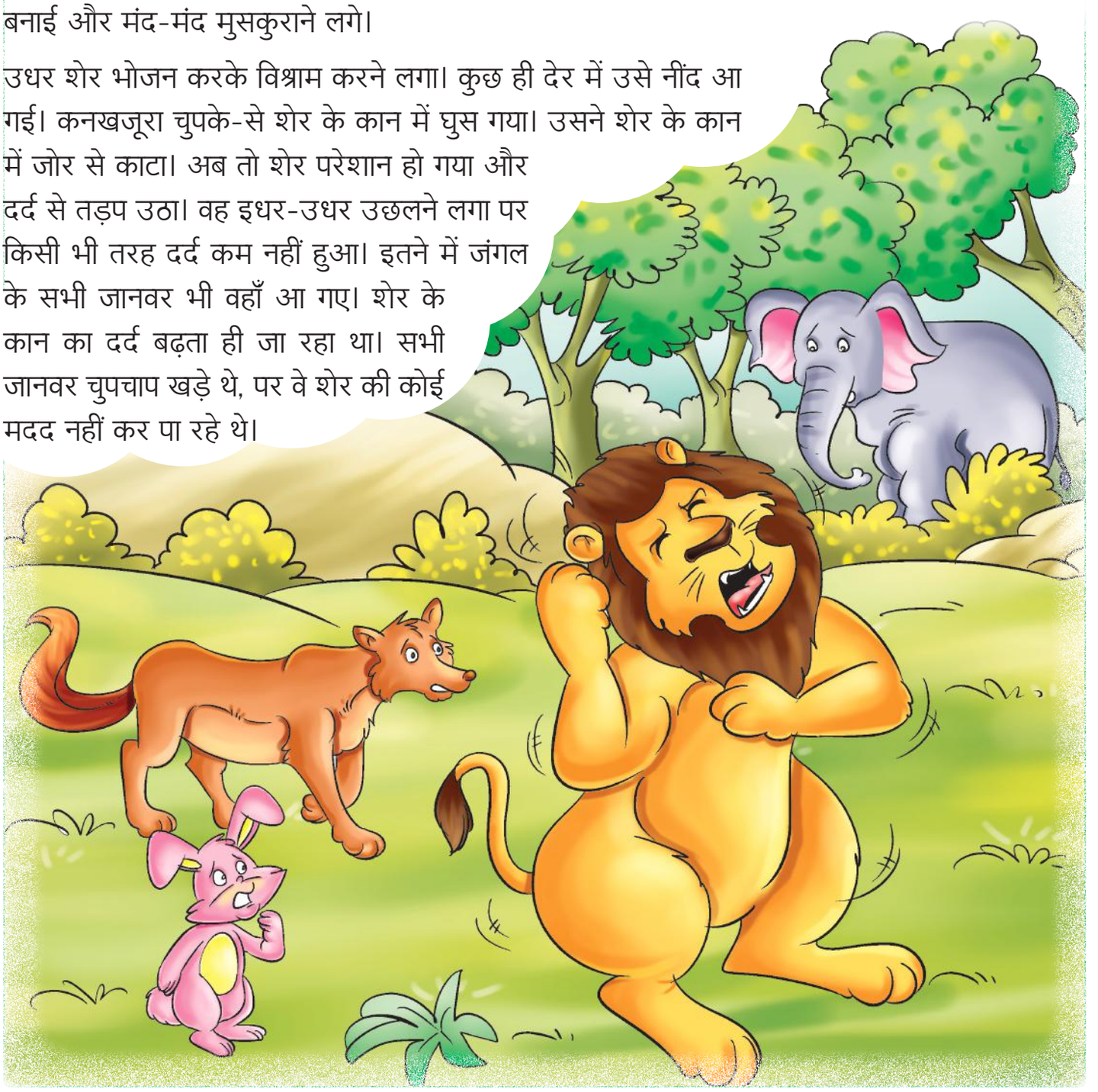

हाथी बोला– "महाराज, मझे लगता है कि आपके कान में कोई कीड़ा घुस गया है, जिसके कारण आपको कष्ट हो रहा है। आप रानी चींटी को बुलवाइए। वही आपकी मदद कर सकती है।"

शेर ने रानी चींटी को संदेश भेजा। थोड़ी देर में ही रानी चींटी अपनी सेना के साथ शेर की गुफा में पहुँच गई।

शेर ने कहा– "मेरे कान में बहुत तेज दर्द है। कृपया मेरी मदद करो।"

रानी चींटी धीरे से मुसकुराई और शेर के कान पर चढ़ गई। वहाँ पहुँचकर उसने कनखजूरे को आवाज लगाई– "धन्यवाद मित्र, अब तुम बाहर आ सकते हो।" रानी चींटी की आवाज सुनकर कनखजूरा झटपट बाहर आ गया। उसके बाहर आते ही शेर को दर्द से छुटकारा मिल गया। चींटी बहन मुझे क्षमा कर दो। मेरी समझ में आ गया है कि कभी किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए।"

यह देखकर रानी चींटी मुसकुराती हुई वहाँ से चली गई। इस प्रकार एक नन्हे-से कनखजूरे और चींटी ने शेर का घमंड चूर-चूर कर दिया।

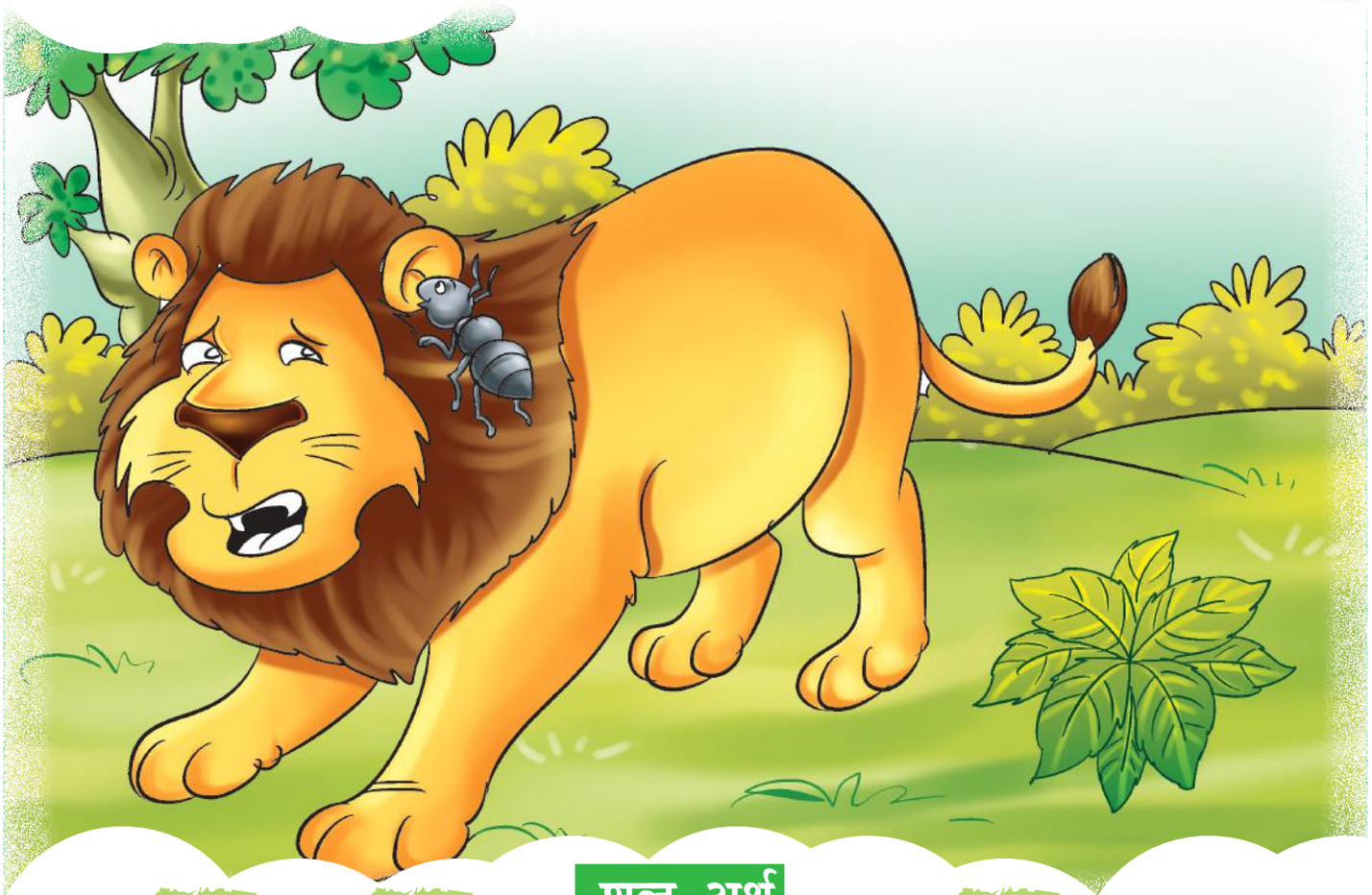

## शब्द-अर्थ

क्षमा — माफ *(pardon)*,
उपाय — तरीका *(way)*,
मित्र — दोस्त *(friend)*,
मंद-मंद — धीरे-धीरे *(slowly-slowly)*,
विश्राम — आराम *(rest)*,
मदद — सहायता *(help)*,
कष्ट — तकलीफ *(problem)*,
संदेश — सूचना *(message)*।

# अभ्यास

## मौखिक

**1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| घमंडी | घोषणा | प्रणाम | चीटियाँ | खरगोश |
| लोमड़ी | बारिश | उपाय | कनखजूरे | योजना |

**2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–**

(क) किसे अपने बल पर घमंड था?

(ख) रानी चींटी का मित्र कौन था?

(ग) शेर ने किसे संदेश भेजा?

## लिखित

**1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–**

(क) शेर कैसा था?

☐ कमजोर ☐ आलसी ☐ घमंडी

(ख) रानी चींटी किसके साथ पहुँच गई?

☐ हाथी के ☐ अपनी सेना के ☐ लोमड़ी के

(ग) शेर के कान में कौन घुस गया?

☐ कनखजूरा ☐ रानी चींटी ☐ मक्खी

**2. वाक्यों को पूरा कीजिए–**

***संदेश, विश्राम, बारिश, छोटा, कीड़ा***

(क) मार्ग में ..... का पानी भरा हुआ था।

(ख) शेर भोजन करके ..... कर रहा था।

(ग) आपके कान में कोई ..... घुस गया है।

(घ) शेर ने रानी चींटी को ..... भेजा।

(ङ) कभी किसी को ..... नहीं समझना चाहिए।

**3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) शेर को गुस्सा क्यों आ गया?

(ख) चींटियों ने देर से आने का क्या कारण बताया?

(ग) रानी चींटी ने शेर को क्या सबक सिखाया?

## भाषा-ज्ञान

1. बच्चो! हम अपने आस-पास जो कुछ भी देखते हैं, उन सबका कोई न कोई एक नाम होता है। नाम बताने वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं। जैसे– राम, मेज, कुरसी आदि।

- नीचे दिए वाक्यों में संज्ञा शब्दों पर गोला ◯ लगाइए।

(क) उसमें एक घमंडी शेर रहता था।

(ख) सभी जानवर शेर को प्रणाम करने आए।

(ग) रानी चींटी अपनी सेना के साथ वहाँ पहुँच गई।

(घ) कनखजूरा चुपके-से शेर के कान में घुस गया।

(ङ) जंगल के सभी जानवर वहाँ आ गए।

2. कौन था कैसा? रेखा खींचकर बताइए।

होशियार

घमंडी

समझदार

गुस्सेवाला

बलशाली

छोटा

3. पढ़िए, समझिए और एक शब्द स्वयं लिखिए–

(क) स्स गुस्सा रस्सी .....

(ख) ष्ट कष्ट सृष्टि .....

(ग) न्ह नन्हा कान्हा .....

(घ) प्र प्रणाम प्रसन्न .....

## क्रियात्मक गतिविधि

- पंचतंत्र की कहानियाँ इंटरनेट से ढूँढकर पढ़िए।